हंस

हंस, शुद्धता, सौन्दर्य व रम्यता के गुणों से समपन्न होते हैं और ये गुण सदा से ही सन्तों, ऋषि-मुनियों व कवियों को प्रेरित करते आए हैं। वेदों में हंसों का गुणगान जीवात्मा के प्रतीक और साथ ही, विवेकशीलता के सद्गुण के रूप में किया गया है। इनके प्रतीकात्मक अर्थ के विषय में अधिक जानने के लिए आप इस व्याख्या को पढ़ सकते हैं जिसका शीर्षक है 'राजहंस का महत्त्व।'

'हंस' संस्कृत का शब्द है और हंस या सोऽहम्, सिद्धयोग पथ के मन्त्रों में से एक है। हंस प्रतीकात्मक मूल-चिह्न [विजुअल मोटिफ़] भी है जिसे श्रीगुरुमाई ने वर्ष २०१९ के अपने सन्देश-प्रवचन के दौरान प्रदान किया है। हंस की छवि को देखना तथा उस पर केन्द्रण करना श्रीगुरुमाई के वर्ष २०१९ के सन्देश का अध्ययन करने का एक तरीक़ा है।

यह गैलरी, प्राकृतिक परिवेश में स्वतन्त्र रूप से रहते हंसों के वैभव को दर्शाती है। गैलरी को देखते समय, अपने श्वास-प्रश्वास के प्रति जागरूक रहें और यह मनन करें कि ये छवियाँ किस प्रकार उन गुणों को जाग्रत कर रही हैं जिनसे आप अपने जीवन में जुड़ना चाहते हैं।

© २०१९ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।